मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 41, मुंबई, मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

रमजान मुबारक हिजरी 1445 साल 2024

मुंबई और आसपास के इलाकों में टाईम

रोजा बाईसवां (22) 02 अप्रैल 2024 मंगलवार

खत्मे शहेरी : 5:08 A.M
रोजे की निय्यतः नवैतु अन असौमा गदन लिल्लाहि तआला मिन फर्जी रमजान।

वक्ते इफ्तार : 6:55 P.M
इफ्तार की दुआः अल्लाहुम्मा इन्नी लका सुमतो वबैका आमनतो व इलयका तवकल्लतो व आला रिजकेका अफ्तरतो फतकब्बल मिन्नी।

रमजान का (21 से 30 रोजा) तीसरा असरा जहन्नम से नजात पाने का होता है।

महाराष्ट्र में ट्रक और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर

हादसे की खबर से पीड़ितों के गांव में पसरा मातम

10 गंभीर रूप से घायल

4 की मौत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सांगली जिले में सोमवार रात में भीषण हादसा हो गया। मिरज-सोलापुर हाईवे पर कवठे महांकाल के पास एक ट्रक और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर हो गई। यह भिड़ंत इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना कवठे महांकाल तालुका में नागज फाटा के पास नागपुर रत्नागिरी राजमार्ग पर आधी रात के बाद हुई। पीड़ित गन्ना मजदूर बताये जा रहे है। सभी मजदूर गन्ना काटने का काम खत्म कर घर लौट रहे थे, तभी यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कारोबारी से 2 करोड़ रुपये की लूट

साजिश में पुलिस इंस्पेक्टर भी शामिल, पहुंचा हवालात

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस की वर्दी एक बार फिर एक इंस्पेक्टर की करतूतों से दागदार हुई है। मामला मुंबई के पास नवी मुंबई शहर का है। जहां एक कारोबारी को लूटने के आरोप में पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। नवी मुंबई शहर में 29 मार्च को कथित तौर पर खुद को पुलिसकर्मी बताकर छह लोगों ने एक करोबारी से दो करोड़ रुपये की लूटपाट की। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र में प्रकाश आंबेडकर को बड़ा झटका

अकोला सीट पर कांग्रेस ने उतारा उम्मीदवार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की अकोला लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने उम्मीदवार की घोषणा की है। पार्टी ने अभय काशीनाथ पाटिल को टिकट दिया है। वहीं दूसरी तरफ इस सीट से वंजित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर चुनावी मैदान में हैं। बता दें कि प्रकाश आंबेडकर ने कांग्रेस को विदर्भ की सीटों पर समर्थन की बात कही थी, बदले में अकोला में समर्थन मांगा था। अकोला सीट पर बीजेपी का कब्जा रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अकोला सीट से लड़ रहे प्रकाश आंबेडकर

क्या कांग्रेस ने आंबेडकर को धोखा दिया?
प्रकाश आंबेडकर ने कांग्रेस को सात सीटों पर समर्थन देने की बात कही थी और अपनी उम्मीदवारी के बाद अकोला सीट पर उससे समर्थन की मांग की थी। लेकिन कांग्रेस ने उम्मीदवार खड़ा कर आंबेडकर को बड़ा झटका दिया है।

अंदरूनी कलह का समाधान मुश्किल

वीबीए प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने रविवार को घोषणा की कि वह महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के अकोला से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। सीट बंटवारे को लेकर महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के घटकों के बीच अंदरूनी कलह का समाधान नहीं होने से वीबीए ने अपने उम्मीदवार के नाम जब घोषित किए तो उसमें अकोला सीट भी थी।

सुशांत सिंह राजपूत मामले में समीर वानखेड़े को राहत

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश 10 अप्रैल तक नहीं हो गिरफ्तारी

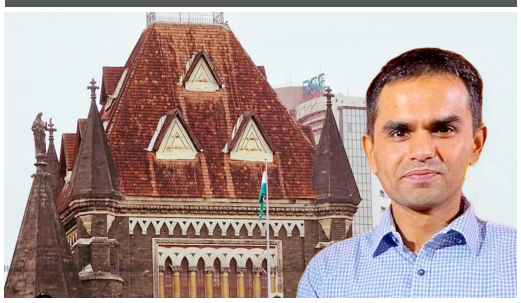

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े ड्रग्स मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े को बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एनसीबी को 10 अप्रैल तक वानखेड़े के खिलाफ कोई भी कठोर कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। एनसीबी मुंबई जोन के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर दो मामलों की जांच में कथित अनियमितता का आरोप लगा है। इसको लेकर एनसीबी ने प्रारंभिक जांच शुरू की है। जिसे वानखेड़े ने कोर्ट में चुनौती दी है। ये मामले 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद केंद्रीय एजेंसी द्वारा शुरू की गई ड्रग्स जांच और एक नाइजीरियाई नागरिक के खिलाफ दायर एक अन्य मामले से संबंधित हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ये खेल हानिकारक है

चुनावी होड़ के बीच विदेश संबंध से जुड़े मुद्दों को हवा देना उचित नहीं है। इस सिलसिले में जो कहा जाता है, उसका संदेश विदेश तक जाता है। इससे देश की नीति को लेकर अनिश्चय एवं संदेह पैदा होता है।

चुनावी होड़ के बीच विदेश संबंध से जुड़े मुद्दों को हवा देना उचित नहीं है। इस सिलसिले में जो कहा जाता है, उसका संदेश विदेश तक जाता है। इससे देश की नीति को लेकर अनिश्चय एवं संदेह पैदा होता है। घरेलू राजनीति में फायदा उठाने के लिए विदेश संबंध से जुड़े मसले को मुद्दा बनाना राष्ट्र हित के लिहाज से हानिकारक है। खासकर इस क्रम में अगर गड़े मुर्दे उखाड़े जाएं, तो उससे बहुत खराब संदेश जाता है। विदेश और रक्षा नीतियों पर राष्ट्रीय आम सहमति अपेक्षित होती है। इस पर कोई मतभेद हो, तो भी उसे सत्ता पक्ष और विपक्ष आपसी संवाद के दौरान एक दूसरे के सामने रख सकते हैं। मगर आज के दौर में ऐसा संवाद ही टूट गया है। इस बीच खुद प्रधानमंत्री ऐसी बातें कह डालते हैं, जिससे कई हलकों में खलबली मचती है। मिजोरम विधानसभा चुनाव के दौरान नरेंद्र मोदी ने यह अप्रत्याशित बयान दे दिया कि इंदिरा गांधी की सरकार ने मिजोरम के आम नागरिकों पर हवाई बमबारी की थी। यह कहते समय संभवतः उन्हें इसका ख्याल नहीं रहा कि आज उस भारतीय राज्य के सर्वोच्च प्रतिनिधि वे ही हैं, जिसकी तरफ से वो कथित कार्रवाई की गई थी। अब मोदी ने कच्चातिवू द्वीप का मसला उठा दिया है। 1974 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने श्रीलंका से हुए करार के तहत यह द्वीप उसे दिया था। अब चूंकि मोदी ने यह मसला उठाया, तो जवाबी हमले के तौर पर कांग्रेस ने बांग्लादेश के साथ बस्तियों की अदला-बदली का मुद्दा उठा दिया है। इस करार के तहत मोदी सरकार ने 111 बस्तियां बांग्लादेश को दी थीं, जबकि इसके बदले बांग्लादेश ने 55 बस्तियां भारत को दी थीं। साथ ही कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में 2020 में हुए चीन के अतिक्रमण के लेकर भी मोदी सरकार पर निशाना साधा है। जहां तक इलाकों की अदला-बदली का सवाल है, तो यह कोई नई बात नहीं है। व्यापक राष्ट्र हित में कई बार सरकारें इस तरह के निर्णय लेती हैं। चुनावी होड़ के बीच ऐसे मुद्दों को हवा देना किसी लिहाज से उचित नहीं है। इस सिलसिले में जो कहा जाता है, उसका संदेश विदेश तक जाता है। इससे देश की नीति को लेकर अनिश्चय एवं संदेह पैदा होता है। जबकि प्रयास यह संदेश देने का होना चाहिए कि सरकारें भले आती-जाती रहें, मगर देश की नीतिगत स्थिरता कायम रहती है।

रमजान विशेष प्रस्तुति श्रृंखला 19

एतिकाफ और रमजान एतिकाफ की अहमियत और हकीकत

रमजान उल मुबारक के दस दस दिन के तीन असरे बनाए गए हैं पहला रहमत(ईश करूणा दया) का है दूसरा मगफिरत(मुक्ति) का है और तीसरा जहन्नम से आजादी का है। रमजान के तीसरी असरे जहन्नम की आजादी वाले असरे में पूरी दुनिया की मस्जिदों में कुछ लोगों को एतिकाफ करना जरूरी होता है। रूह (आत्मा) की शुद्धि पाकीजगी की व तरक्की को बनाए रखने के लिए यह जरूरी होता है कि शरीर को नुकसान पहुंचाए बिना कभी-कभी भौतिक संसार के संबंधों को कमी के न्यूनतम बिंदु पर पहुंचा दिया जाया करें।

शरियत की भाषा में इस स्थिति का नाम रोजा है और इस स्थिति की शर्तें जब तनिक कठोर कर दी जाती है तो इसका नाम एतिकाफ पड़ जाता है। एतिकाफ का शाब्दिक अर्थ है किसी मकान के अंदर स्वयं को कैद कर देने से है। शरियत की परिभाषा में इससे भावार्थ यह है कि इंसान इबादत के लिए मस्जिद में रुकने और ठहरने को आवश्यक करार दे ले। मस्जिद उस घर को कहते हैं जो सिर्फ अल्लाह की याद और अल्लाह की इबादत के लिए खास हो इसमें बैठ जाने का अर्थ यह है है कि बंदे ने अपने रिश्ते सब तरफ से तोड़कर सिर्फ अपने खालिक (स्रष्टा) से जोड़ रखे हैं और जिस वक्त तक वह इस एकांतवास की स्थिति में है वह न किसी का दोस्त है ना अजीज ना बादशाह ना प्रजा ना भाई ना शौहर ना दोस्त ना दुश्मन बल्कि बंदा है और केवल बंदा, स्त्री की इच्छा उसके लिए निषिद है। व्यर्थ बातचीत उसके लिए

नाजायज है। खाना पीना केवल इस हद तक वैध है जो शरीर के लिए नितांत आवश्यक हो। एतिकाफ के दौरान बंदा गोया अपने तसव्वुर में हर समय अल्लाह के दरबार में मौजूद रहता है इसलिए हर वह चीज जो इस दरबार के खिलाफ है उसके लिए नाजायज है। चिराग उसी समय रोशन हो सकता है जब इसमें तेल मौजूद हो। इंजन तभी आगे बढ़ सकता है जब उसमें ईंधन मौजूद हो। शरीर में जीवन उसी समय कायम रह सकता है जब उसे पोषण मिलता रहे।

आत्मा का जीवन तब ही कायम व बरकरार रह सकता है जब उसे अपने स्वभाव के अनुसार पोषण मिलता रहे और रूह (आत्मा) का पोषण यही है कि कभी-कभी उसे भौतिकता के वातावरण से दूर रखकर उसकी नैसर्गिक पवित्रता को उभारने और स्वाभाविक स्वच्छता व शराफत को चमकाने का पूरा अवसर दिया जाए। जब से संसार अस्तित्व में आया है संसार के सबसे महान और श्रेष्ठ इंसान पैगंबरे इस्लाम हजरत मुहम्मद स्वल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अंदर व बाहर दोनों के नियम और उसके अंदाजे से भली-भांति परिचित थे। रमजान उल मुबारक के आखिरी असरे अंतिम 10 दिनों में एतिकाफ आपकी आदत में शामिल था। माहे रमजान सारे का सारा इबादत और अल्लाह के जिक्र में बीतता था। लेकिन आखिरी 10 दिनों में इसमें तेजी आ जाती थी। घर वालों और साथियों से दूर होकर यह पूरा असरा 10 दिन मस्जिद ही की चार दिवारी के भीतर गुजराता था और बंदे को अपने माबूद पालनहार के साथ एकांतवास का सारा आनंद प्राप्त होता था। हमें अल्लाह के रसूल पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद स्वल्लल्लाहो अलैह वसल्लम की पैरवी में रमजान उल मुबारक को पूरे आदाब और मयार्दा के साथ गुजारना चाहिए और फिर कभी-कभी एतिकाफ भी करना चाहिए। अल्लाह के यहां अगर किसी की दुआ सबसे ज्यादा मकबूल और कबूल होती है तो वह है मां-बाप की दुआ औलाद के लिए उनकी दुआ मै कबूल करूंगा अल्लाह ने खुद फरमाया है इसलिए सबसे ज्यादा दुआएं अपने मां-बाप से लेना चाहिए और उनकी खिदमत करते रहना चाहिए। रमजान मुबारक के मौके पर सभी रोजेदारो इबादत गुजारो व एतिकाफ करने वालों भाइयों बहनों से गुजारिश है कि रमजान का आखिरी असरा जहन्नम से आजादी चल रहा है आप सब अल्लाह से दुआ करें कि अपने रहमतों से और अपने हबीब पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद स्वल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वसीले से मेरी मोहसिन मेहरबान मां हज्जन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा और मेरे अब्बू जनाब मोहतरम बाबू खान कादरी रहमतुल्लाह अलैह को जहन्नम से आजादी अता फरमाते हुए रमजान की रहमत और मगफिरत उन्हें भी अता फरमाए और उनकी कबरों को नूर की अंजुमन बनाकर जन्नत के बाग में तब्दील फरमाए और इनकी कबरो कि जानिब जन्नत कि खिड़की खोल दे और इन्हे आलमे बरजख मे इल्लीन मे आला मुकाम अता कर अपनी रहमत और नूर अता फरमाए और इन्हे कब्र के अजाब से जहन्नम की आग से मैदाने महशर और पुलसिरात की तकलीफों से इनकी हिफाजत फरमाकर अपना अमन और सलामती अता फरमाए और हम सबकी गलतियो व खताओं को माफ फरमाए और हम सब पर अपना करम फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन आप सब की दुआओं का तलबगार आपका भाई साजिद खान पत्रकार।

प्रस्तुति एवं संकलन
-साजिद खान धनपुरी जिला
शहडोल मध्य प्रदेश

देर से ही सही पर साथ आया विपक्ष

देर से ही सही लेकिन विपक्षी पार्टियों का चुनाव अभियान जोर पकड़ रहा है। मार्च के महीने में तीसरी बार विपक्ष की साझा रैली हुई। इसमें संदेह नहीं है कि यह काम विपक्ष को पहले करना चाहिए था क्योंकि विपक्षी एकता और गठबंधन बनाने का प्रयास पिछले साल अप्रैल-मई से चल रहा है और कर्नाटक में कांग्रेस को मिली जीत के बाद उसके पास इसके लिए सबसे सुनहरा मौका था। फिर भी कह सकते हैं कि देर आए दुरुस्त आए। विपक्षी पार्टियों ने तीन मार्च को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में साझा रैली की और अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। उसके बाद मुंबई में 17 मार्च को कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के मौके पर एक साझा रैली हुई और अब 31 मार्च को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 27 विपक्षी पार्टियों के नेता जुटे और लोकतंत्र बचाने का संकल्प जताया। वैसे तो रामलीला मैदान की रैली के आयोजन का तात्कालिक कारण दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी थी लेकिन विपक्ष ने इसे बड़ा रूप दिया। इसमें झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को भी जोड़ा गया और कांग्रेस के खाते जब्त करने का मुद्दा भी शामिल किया गया। इसे लोकतंत्र बचाए रैली का नाम दिया गया और नारा दिया गया तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओ। सवाल है कि क्या देश के लोग मान रहे हैं कि भारत में तानाशाही आ गई है और लोकतंत्र खतरे में है? और क्या वे इसे बचाने के लिए आगे आएंगे? अगर इसे लेकर बहुत उम्मीद नहीं पाली जा सकती है तो बहुत निराश होने की भी जरुरत नहीं है। हो सकता है कि लोग उस शास्त्रीय संदर्भ में तानाशाही की स्थापना या लोकतंत्र के खतरे को नहीं समझ रहे हों।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

सांताक्रुज में रॉयल ग्रुप द्वारा रोजा इफ़्तार का किया गया आयोजन

प्रतिष्ठित समाज सेवक लोगों का किया सत्कार, पत्रकार जफर सिद्दीकी का किया शाल और बुके देकर सत्कार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। स्थानिय सांताक्रुज में रॉयल ग्रुप कि ओर से रविवार को रमजानुल मुबारक के 20 वां रोजा के मौके पर रोजदारों के लिए शानदार इफ़्तार पार्टी और डिनर का इंतेजाम आर के मस्जिद के सामने किया गया था। जिसमे सांताक्रूज क्षेत्र के सैकडो रोजेदार उपस्थित हुए। रोजा इफ्तारी से पहले सभी रोजेदारों ने अल्लाह तबारक व तआला के बारगाह में हाथ उठाकर मुल्क की अमनचैन के लिए दुआएं मांगी। इफ्तार पार्टी में मुस्लिम समाज के बड़े बुजूर्गए नौजवान व बच्चो ने बड़ी संख्या में शिरकत की। मगरिब की अजान सुनकर सभी रोजेदारो ने एक साथ रोजा इफ्तार किया। माहे मार्च महीने के मौसम में भी मुस्लिम समाज के लोग अपने रब की इबादत के लिए १४ घंटे भूखे प्यासे रहकर रोजा रख रहे। रमजानुल मुबारक का यह पाक व पवित्र महीना रहमतो व बरकतों से भरपूर है. जो शख्स रोजेदार को इफ़्तार कराता है अल्लाह तबारक व तआला उस शख्स को रोजेदार के बराबर सवाब अता फरमाता इस प्रकार के इफ्तार से आपसी भाईचारा भी बढ़ता है। इस इफ्तार पार्टी में हिंदु समाज के समाजसेवक लोगो ने भी शिर्कत की जिसमें माझी नगरसेवक पूजा महादेश्वर जी और उनके कार्यकर्ता लोग शामिल थे। इस रोजा इफ्तार पार्टी को सफल बनाने में रॉयल ग्रुप के प्रेसिडेंट जमिल कुरेशी, रॉयल ग्रुप के पदाधिकारी सामाजिक कार्यकर्ता फहिम शेख, सलीम फाउंडेशन के प्रेसिडेंट सलीमखान, जहिर उर्फ जग्गाभाई, शफी भाई, पिंकी मॅडम, नईम शेख, रमजान भाई, उस्मान खान लाला टिल्लू भाई आदी पदाधिकारीयों ने काफी मेहनत कि. रॉयल ग्रुप ने इफ्तार पार्टी में आने वालो का किया स्वागत, एंव शाल और बुके देकर सत्कार किया जिसमें मुस्लिम समाज के लोकप्रिय समाजसेवक असद हाजी इब्राहिम शेख, बंगाली असोसिएशन के अध्यक्ष अख्तार बंगाली, भाभा हाउस्पिटल के आरोग्य दक्षता कमिटी सदस्य शोएब फरीदखान माजी नगर सेवक पूजा महादेशवर नल यूनियन के गलफाम खान, डीएफएस डेवलपर बिल्डर फसल सौदागर पत्रकार जफर सिद्धकी, सलाम इस्लाम खान इन लोगों का रॉयल ग्रुप की तरफ से शाल और बुके देकर सत्कार किया गया रोजा इफ्तार पार्टी में शॉल और बुके देकर सत्कार करने पर पत्रकार जफर सिद्दीकी और सभी सत्कार शख्स लोगों ने रॉयल ग्रुप के प्रेसिडेंट जमील कुरैशी सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल फहीम शेख सलीम खान और उनके सभी साथियों का आभार व्यक्त किया इस वक्त प्रमुख उपस्थिति में उस्मान खान, शकील कुरेशी रफीक तंबोली अब्दुल रहीम शेख, इमरान शेख युसूफ खान, एडवोकेट साजिद खान, जर्राख खान, मोइन अजमेरी, मोहिन, शाहिद कुरेशी, मकसूद शेख, वसीम शेख, नासिर खान, सिकंदर भाई, आसिफ भाई अजीम शेख डोंगरे भाई इरशाद काजी, बहुत सारे समाज सेवक मौजूद थे इस रोजा इफ्तार पार्टी में सूत्रसंचालन इमरान शेख ने किया और दुआ शोएब फरीद खान करने की।

रमजान में रोजेदारों के लिए बढ़ी तरबूज की खास डिमांड

मुंबई हलचल/संवाददाता

जलगाँव। रमजान के महीने में यहां तरबूज ने धूम मचा दी है। इस बार रोजेदार तरबूज से अपनी इफ्तारी कर रहे है। देखने में आ रहा है कि रोजेदारों की पहली पसंद तरबूज बन गया है। जिससे यहां तरबूज की मांग एकदम 5 गुणा ज्यादा बढ़ गई है। रोजेदारों की माने तो तरबूज से शरीर में पानी की आपूर्ति होती है और तरबूज बहुत ही हल्का आहार भी है। इससे किडनी को फायदा मिलता है और विटामिन भी भरपूर मात्रा में मिलता है। पूरा दिन भूखा-प्यासा रहने से शरीर में पानी की कमी आ जाती है। जिसकी पूर्ति तरबूज के अलावा और कोई फल अधिक मात्रा में नही कर सकता है। वैसे भी इस बार सब्जी की थोक मंडी में तरबूज मात्र 15 से 20 रुपए प्रति किलो में बिक रहा है। वहीं खीरा भी 20-30

रुपए प्रति किलो बिक रहा है और रोजेदारों में इन चारों ही चीजों की खरीददारी को लेकर उत्साह बना हुआ है। यहां पर शहर में पुराने अडडा, शिव कॉलोनी, गोलानी मार्किट, रेलवे स्टेशन आदि जगहों पर खूब खरबूजा बिक रहा है। रोजदारों की माने तो इन दिनों में सही मात्रा में तरबूज खाने से पानी की सारी कमी पूरी हो जाती है। तरबूज से किडनी को फायदा मिलता है। आम जनमानस गर्मी से बचाव के लिए तरह- तरह के यत्न कर रहा है। ऐसे में यहां पर तरबूज बेचने वालों की मौज बन आई है। गर्मी से बचाव और दिल दिमाग को ठंडा बनाए रखने के लिए लोग जमकर तरबजू की खरीद कर रहे है। तरबूजा विक्रेताओं के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते यहां पर तरबूज के दाम इस कदर नीचे आ गिरे है कि बेमौसम के दौर में 50 से 60 रुपए प्रति किलो तक बिकने वाला तरबूज फिलहाल तेज गर्मी के बावजूद यहां पर अब 20 से 30 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। इतना ही नही तरबूज बेचने वाले लोग, हाथ रिक्शा तो कोई बुग्गी, रेहड़ी में तरबूज भर- भरकर सुबह-सवेरे ही यहां गली-गली, मोहल्ले, बाजारों और वार्डों में आवाज लगा-लगाकर बेच रहे है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी तरबूज को बहुत ही अच्छा माना जाता है। यही कारण है कि यहां बाजार के साथ-साथ गली, मोहल्लों में बिकने आ रहे तरबूजों को लोग हाथोंहाथ खरीद रहे है। वही तरबूज विक्रेताओं का कहना है कि जलगाँव में वह जितना भी तरबूज ला रहे है, उनका तरबूज 20 से 30 रुपए प्रति किलो तक हाथोंहाथ बिक रहा है।

कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल का स्वागत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पिछले दिनों ३१ मार्च २०२४ को कांदिवली पूर्व विधान सभा के वार्ड २३ २४ के बूथ प्रमुख मेलावा रखा गया। जिसमे हजारों की संख्या मे भाजपा कार्य करता उपस्थित थे उक्त कार्यक्रम मे पूर्व सांसद श्री गोपाल शेट्टी स्थानीय विधायक अतुल भातखलकर, नगर सेवक शिवकुमार झा नगर सेविका सुनीता यादव भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा विधान सभा अध्यक्ष राजेश दुबे, विधान सभा के मीडिया प्रभारी व पत्रकार संदीप सिंह उपाध्यक्ष मनोज सिंह वार्ड २३ अध्यक्ष रमन मिश्र महामंत्री मनोज पाठक वसंत झा सूरज मिश्र महिला वार्ड अध्यक्ष सुमन मौर्य भाजपा योजक श्री सागर पांडे जी उपस्थित थे मीडिया प्रभारी संदीप सिंह ने बताया की पोयसर की जनता ने उत्तर मुंबई के उम्मीदवार श्री पीयूष गोयल का दिल से स्वागत किया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में ट्रक और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर

इस घटना में दस लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, मजदूर गन्ना काटने के लिए गुरुदत्त सहकारी चीनी फैक्ट्री शिरोल गए थे। इस साल का सीजन खत्म होने के बाद कुछ मजदूर ट्रैक्टर से अपने गाँव वापस लौट रहे थे। रात करीब दो बजे उनका ट्रैक्टर खराब हो गया। जिसके बाद सड़क के किनारे ट्रैक्टर को खड़ा कर मरम्मत का काम करवाया जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे आंध्र प्रदेश के ट्रक ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शालन दत्तात्रय खांडेकर (उम्र 30), जगमा तम्मा हेगड़े (उम्र 35), दादा अप्पा ऐवले (उम्र 17), नीलाबाई परशुराम ऐवले (उम्र 3) के तौर पर हुई है। हादसे में 11 लोग घायल हुए है। घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कारोबारी से 2 करोड़ रुपये की लूट

अधिकारी ने बताया कि इस मामले में 55 वर्षीय एक पुलिस इंस्पेक्टर को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। वारदात तब हुई जब शुक्रवार को कारोबारी मुंबई के घाटकोपर में अपने घर से नवी मुंबई के तुर्भे एमआईडीसी जा रहा था। पीड़ित कारोबारी को वाशी इलाके में पाम बीच रोड पर छह अज्ञात लोगों ने खुद को मुंबई पुलिस का कर्मी बताकर रोका। आरोपियों ने पीड़ित को धमकाया और कहा कि उन्हें शिकायत मिली है कि उसके पास बड़ी मात्रा में पैसा है। फिर कारोबारी को वाशी में एक फ्लैट में ले गए। उन्होंने कारोबारी को कार्रवाई से बचाने के बदले दो करोड़ रुपये मांगे। फिर कारोबारी को धमकाते हुए आरोपी पैसे लेकर फरार हो गए। अगले दिन पीड़ित कारोबारी ने वाशी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सुशांत सिंह राजपूत मामले में समीर वानखेड़े को राहत

यह दोनों मामले वानखेड़े के कार्यकाल के दौरान के है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आज वानखेड़े की याचिका पर सुनवाई की और उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने वानखेड़े की याचिका पर एनसीबी से जवाब मांगा है. वानखेड़े ने याचिका दायर कर अपने खिलाफ एनसीबी द्वारा शुरू की गई जांच को चुनौती दी है।

महाराष्ट्र में प्रकाश आंबेडकर को बड़ा झटका

2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के संजय शामराव धोत्रे यहां से सांसद चुने गए। वो लगातार पांच बार सांसद बन चुके हैं। दरअसल वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रकाश आंबेडकर अकोला सीट से मुख्य उम्मीदवार है और उन्होंने एक दिन पहले ही इस यहां से अपनी उम्मीदवारी तय की थी।

निर्वाचन आयोग ने लिया बड़ा फैसलाः अब मतदाता को वोट डालने के लिए नहीं जाना पड़ेगा अपने गांव या शहर, जहां हैं वहीं कर सकेंगे वोट

जहां काम-वहीं वोट के तहत जम्मू-कश्मीर के लिए खास सुविधा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने बहुत बड़ी राहत दी है। इस बार चुनाव में प्रवासी मतदाताओं को मतदान के लिए अपने गृह राज्य, नगर जाने की जरूरत नहीं होगी और वे जहां हैं, वहीं से मतदान कर सकेंगे। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि सभी प्रवासी मतदाता पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के माइग्रेंट वोटर्स भी अपना पोस्टल बैलेट के लिए फॉर्म जमा कर सकते हैं। उसका प्रारूप फार्म 12सी होगा। यदि वे फिजिकली वोट के लिए अनुरोध करते हैं तो उनके लिए फार्म एम होगा। बता दें कि यह जानकारी माइग्रेंट वोटर्स को उनके चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के माध्यम से उपलब्ध करा दी गई है। प्रवासी मतदाता को वे अभी जहां निवास कर रहे हैं, वहां पर संबंधित ईआरओ कार्यालय में जाकर तीन डॉक्यूमेंट जमा करने होंगे। पहला डॉक्यूमेंट फार्म एम या फार्म 12सी में से कोई एक। दूसरा जहां पर वर्तमान में निवास कर रहे हैं, वहां का रेजीडेंस प्रूफ और तीसरा रिलीफ कमिश्नर से प्राप्त माइग्रेशन सर्टिफिकेट या अन्य कोई अभिलेख। इन अभिलेखों को जमा करने के उपरांत राज्य के ईआरओ इन आवेदन पत्रों को ऑनलाइन मोड से संबंधित ईआरओ को भेजेंगे, जो जम्मू और कश्मीर राज्य में होंगे। यह सुविधा केवल तीन लोकसभा क्षेत्र श्रीनगर, अनंतनाग और बारामुला के लिए उपलब्ध होगी।

प्रवासी मतदाताओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने ऐसी व्यवस्था की है, जिससे उन्हें वोट डालने के लिए अपने राज्य नहीं लौटना होगा। प्रवासी मतदाता जिस शहर या राज्य में काम करते हैं, वहीं से अपने राज्य के चुनाव में वोटिंग कर सकेंगे। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा बड़े स्तर पर तैयारी की गई है।

चुनाव में सभी प्रवासी मतदाता कर सकेंगे बैलेट से मतदान

उत्तराखंड में प्रवासी मतदाताओं की कुल संख्या 93 हजार 187

जम्मू और कश्मीर के माइग्रेंट वोटर्स भी अपना पोस्टल बैलेट के लिए फॉर्म जमा कर सकते हैं

पौड़ी में सबसे अधिक 34845 प्रवासी मतदाता

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड में प्रवासी मतदाताओं की कुल संख्या 93 हजार 187 है। इसमें टिहरी लोकसभा से 12862, पौड़ी गढ़वाल से 34845, अल्मोड़ा से 29105, नैनीताल से 10629 एवं हरिद्वार लोकसभा से 5746 सर्विस वोटर चिह्नित किए गए हैं। इनमें 90554 पुरुष और 2633 महिला प्रवासी मतदाता हैं। गौरतलब है कि रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में रहने वाले घरेलू प्रवासी मतदाताओं को वोट डालने अपने राज्य, शहर, घर लौटना पड़ता है। वोटर नई जगह जाने पर कई वजहों के चलते चुनाव में मतदान करने के लिए अपने घरेलू मतदान केंद्र पर नहीं लौट पाता है।

गजब चुनावी वादे...राशन कार्ड से बंटवाएंगे शराब

लोकसभा चुनाव अब अपने पूरे रंग-ढंग में है और सभी राजनेता और दल जनता को लुभाने के लिए तरह-तरह के वादे और आश्वासन दे रहे हैं। लेकिन इस बीच महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक ऐसी महिला उम्मीदवार मिली जिसके चुनावी वादे सुनकर हर कोई अचरज में पड़ा जाए। चंद्रपुर लोकसभा सीट से एक महिला कैंडिडेट का कहना है कि अगर वह सांसद बनी तो राशन कार्ड पर विदेशी शराब दिलाएगी और बेरोजगार युवाओं को शराब के ठेके भी आवंटित करेगी। इतना ही नहीं महिला प्रत्याशी का वादा है कि वह चुनाव जीतने के बाद प्रत्येक गांव में शराब के ठेके भी खुलवाएगी। इस महिला उम्मीदवार द्वारा किये चुनावी वादे चर्चा का विषय बने हुए हैं।दरअसल, चंद्रपुर लोकसभा क्षेत्र से उतरी महिला उम्मीदवार वनिता राऊत इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार दौरान जिस तरह के वादे किए हैं, वह हैरान करने वाले हैं और शायद ही इसके पहले किसी उम्मीदवार ने ऐसा प्रचार किया हो। चुनाव प्रचार के दौरान शराब बांटना आम बात सी हो गई हैं, लेकिन चंद्रपुर लोकसभा क्षेत्र की महिला उम्मीदवार वनिता राऊत ने प्रत्येक गांव में बियर बार खुलवाने का वादा कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर वह जीतीं तो उन्हें मिलने वाली सांसद निधि से गरीबों को मुफ्त में दारू की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम केजरीवाल को जेल में क्यों डाला? जनता देगी जवाबः सुनीता

दिल्ली शराब घोटाला मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले उनकी ईडी की कस्टडी की अवधि आज समाप्त हो गई थी। इस दौरान सीएम केजरीवाल की पत्नी भी कोर्ट में मौजूद थीं। कोर्ट द्वारा फैसला सुनाने के बाद अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मामले में पूछताछ पूरी हो गई है। अदालत ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया है। ऐसे में उन्हें जेल में क्यों डाला गया? इनलोगों का एक ही मकसद है कि चुनाव के दौरान उन्हें जेल में डालना है। देश की जनता इस तानाशाही का जवाब देगी। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट में पेश होने के दौरान अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जो मोदीजी कर रहे हैं वो देश के लिए ठीक नहीं है।

सुनीता केजरीवाल तो राबड़ी देवी बनतीं जा रहीं हैंः हरदीप सिंह

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सुनीता केजरीवाल की तुलना लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी से कर दी और कहा कि वे तो अब राबड़ी देवी बन रही हैं। बता दें कि राबड़ी देवी, जो तब बिहार की मुख्यमंत्री बनीं, जब उनके पति लालू यादव भ्रष्टाचार के मामले में जेल गए थे। हरदीप पुरी ने तंज कसते हुए कहा कि सुनीता तो राबड़ी देवी बन रही हैं। मैं पिछले 10 दिनों में 3-4 बार कह चुका हूं कि 'अब ये राबड़ी देवी' आगे आएंगी। मेरे कहने का मतलब यह है कि अब सुनीता केजरीवाल आगे आएंगी। इसके बाद हरदीप सिंह पुरी ने अरविंद केजरीवाल पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अब कैबिनेट बैठकें कर सकते हैं क्योंकि आप के दो नेता - मनीष सिसौदिया और संजय सिंह - जेल में हैं। उन्होंने कहा कि क्या कोई सरकार सलाखों के पीछे से चल सकती है?यहां एक ऐसी सरकार है जिसके तीन मंत्री पहले से ही सलाखों के पीछे हैं। उनके पास कोरम है, वे सलाखों के पीछे कैबिनेट वहीं दूसरी तरफ भाजपा नेता बांसुरी स्वराज ने कहा कि अदालत का मानना है कि केजरीवाल को सलाखों के पीछे रहना चाहिए। हम सभी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की रैली के दौरान भ्रष्टाचार का फ्लॉप शो देखा। उन्होंने कल जो किया वह 'रैली' की परिभाषा में फिट नहीं बैठता। रैली का मतलब होता है एक विशाल जनसभा, हालांकि वीडियो में आपको खाली कुर्सियां दिखेंगी।

चुनाव आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत और दिलीप घोष को दी चेतावनी

आचार संहिता के दौरान महिलाओं पर की थी टिप्पणी

दिल्ली चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और भाजपा सांसद दिलीप घोष को चेतावनी दी है। दरअसल आयोग ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में दोनों नेताओं को चेतावनी दी है। आयोग ने इस बाबत कहा कि दोनो नेताओं के बयान पर अब नजर रखी जाएगी। आयोग ने इस बाबत आश्वस्त किया कि दोनों नेताओं ने लोगों पर व्यक्तिगत और निजी हमला करते हुए देशभर में लागू आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। चुनाव आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत और भाजपा सांसद दिलीप घोष को आचार संहिता के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने को लेकर चेतावनी दी है। आयोग ने इस दौरान नैतिक आचार संहिता के उल्लंघनों पर उन्हें जारी किए गए नोटिस का जवाब मिलने के बाद अपने आदेश में कहा कि वे आश्वस्त हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत हमला किया है। इस तरह से उन्होंने आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। उन्हें आदर्श आचार संहिता के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। चुनाव आयोग ने कहा कि अगली बार से उनकी चुनाव संबंधी भाषणों पर आयोग द्वारा निगरानी रखी जाएगी। बता दें कि आयोग ने चेतावनी नोटिस की एक कॉपी पार्टी अध्यक्षों को भी भेजी है।

फेसबुक अकाउंट पर शेयर किया था विवादित पोस्ट

बता दें कि बीते दिनों सुप्रिया श्रीनेत के फेसबुक अकाउंट से कंगना रनौत को लेकर एक विवादित पोस्ट शेयर किया गया था। अपने पोस्ट में सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत की तस्वीर लगाई और आपत्तिजनक बयान दिया था। इसके बाद जब विवाद बढ़ने लगा तो मामला महिला आयोग तक पहुंचा। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने उनका टिकट काट दिया। बता दें कि कंगना रनौत को भाजपा ने मंडी से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके बाद सुप्रिया श्रीनेत ने सफाई देते हुए कहा था कि उनकी टीम के किसी सदस्य से ऐसी गलती हुई हैं। वो किसी महिला के खिलाफ इस तरह का बयान नहीं दे सकती हैं।

मुस्लिम पक्ष को लगा झटका- व्यास तहखाने में जारी रहेगी पूजा

वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी के अंदर पूजा की अनुमति दी थी

साफ कहा तहखाने में पूजा का अधिकार कोर्ट से मिला

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने वाराणसी जिला कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। वाराणसी कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर मौजूद व्यास तहखाने में पूजा की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 17 जनवरी और 31 जनवरी (तहखाना के अंदर पूजा की अनुमति) के आदेशों के बाद मुस्लिम समुदाय द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद में बिना किसी बाधा के 'नमाज' पढ़ी जाती है और हिंदू पुजारी द्वारा 'पूजा' की जाती है। 'तहखाना' क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखना उचित है ताकि दोनों समुदाय उपरोक्त शर्तों के अनुसार पूजा करने में सक्षम हो सकें। उइस मामले में फरवरी में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी थी।

1993 से बंद था व्यास तहखाना

हिंदू पक्ष का दावा है कि उससे पहले तहखाने में श्रृंगार गौरी की पूजा होती थी, मगर 1991 में जब पूजास्थल अधिनियम बना, तो राज्य सरकार ने उसे बंद करा दिया। दरअसल हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण मंदिर तोड़ कर हुआ है, इसलिए उस पर उसे स्वामित्व दिलाया जाए। यह मामला लंबा खिंचता गया। व्यास तहखाना भगवान नंदी के ठीक सामने स्थित है। यह व्यास परिवार का तहखाना है। मस्जिद के ग्राउंड फ्लोर में साल 1993 तक यहां पूजा होती थी लेकिन नवंबर 1993 में सरकार द्वारा यहां पूजा बंद करा दी गई और पुजारियों को हटा दिया गया। 18 अगस्त 2021 को पांच महिलाओं ने सिविल जज (सीनियर डिविजन) के सामने एक वाद दायर किया था। महिलाओं ने ज्ञानवापी मस्जिद के बगल में बने श्रृंगार गौरी मंदिर में रोजाना पूजन-दर्शन की मांग की थी। महिलाओं की मांग पर जज रवि कुमार दिवाकर ने मस्जिद परिसर का एएसआई सर्वे कराने का आदेश दिया था।

कच्चाथीवू द्वीप पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की दो टूक

नेहरू के लिए नहीं थी अहमियत, इंदिरा का भी यही नजरिया था

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कच्चाथीवू मसले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ये ऐसा मुद्दा नहीं है, जो आज अचानक उठा है। ये मसला संसद और तमिलनाडु में लगातार उठता रहा है, इस पर बहस हुई है। इस मसले पर मैंने मौजूदा मुख्यमंत्री को 21 बार जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि मई 1961 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लिखा था कि मैं इस छोटे से द्वीप को बिल्कुल भी महत्व नहीं देता और मुझे इस पर अपना दावा छोड़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। उनका रवैया ऐसा था कि जितना जल्दी कच्चाथीवू को श्रीलंका को दे दिया जाए, उतना बेहतर होगा। यही नजरिया इंदिरा गांधी का भी था। एस जयशंकर ने कहा कि चेन्नई में बैठकर बयान देना आसान है, लेकिन कच्चाथीवू में पकड़े जाने वाले भारतीय मछुआरों को कैसे छुड़ाया जाता है, ये हम जानते हैं।

डीएमके को पूरी जानकारी

जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस और डीएमके डीएमके ऐसा दिखा रही हैं कि उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है और यह अभी-अभी का मसला है। जबकि, उन्होंने ही इसे अंजाम दिया था। जनता को ये जानने का अधिकार है कि 1974 में कच्चाथीवू को कैसे दे दिया गया। डीएमके लीडर और तब के सीएम एम. करुणानिधि को भी इस समझौते की पूरी जानकारी थी।

कच्चाथीवू का काला किस्सा

1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश का एक टुकड़ा काटकर दोस्ती के नाम पर श्रीलंका की तत्कालीन प्रधानमंत्री सिरीमावो भंडारनाइके को सौंप दिया था और इसका नाम था 'कच्चाथीवू द्वीप'। साल 1974 में जून-अगस्त के बीच दो बैठकें हुईं पहली दिल्ली में और दूसरी कोलंबो में। कच्चाथीवू के लिए न कोई जनमत संग्रह हुआ था न संसद में प्रस्ताव बस एक तानाशाही फैसला दो हस्ताक्षर। और कच्चाथीवू द्वीप पर लहराने लगा श्रीलंका का झंडा। यह रामेश्वरम (तमिलनाडु) से करीब 14 समुद्री मील (लगभग 25 किलोमीटर) की दूरी पर बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित लगभग डेढ़ वर्ग किलोमीटर की वह जगह है, जिसे अपने ही देश ने बड़ी खामोशी से 'काला पानी' की सजा सुना दी।

अनोखे, डिजाइनदार और कीमती प्लेटिनम के गहनों साथ गुड़ी पड़वा मनाएं

मुंबई। भारत के महाराष्ट्र और दूसरे पश्चिमी राज्यों में इस समय गुड़ी पड़वा के त्योहार की धूमधाम है, लोग मराठी नव वर्ष की समृद्धि परंपरा को मनाने के लिए उत्साहित दिख रहे हैं। घरों में गेंदे के फूल चमक रहे हैं और गुड़ी लटक रही है, जबकि लोग अपने और अपने करीबी लोगों के लिए गहने खरीद रहे हैं ताकि आने वाला नया साल मंगलमय हो। समृद्धि और अच्छे भाग्य वाले इस मौसम का स्वागत करने के लिए भला, प्लेटिनम के अनोखे और कीमती उपहार से अच्छा क्या हो सकता है। प्लेटिनम अपनी चमक-दमक को समय के साथ-साथ बरकरार रखता है। इसी कारण गुड़ी पाड़वा के पवित्र उत्सव को मनाने के लिए प्लेटिनम काफी उपयोगी हो सकता है। प्लेटिनम में हमारे लंबे समय की परंपराओं की तरह ही, मजबूती और लंबे समय तक चलने वाला गुण होता है। प्लेटिनम के गहने 95 प्रतिशत तक शुद्ध होते हैं, इनमें लगे कीमती पत्थर एक तरह से दृढ़ता और समय के साथ-साथ और ज्यादा चमक दिखाते रहते हैं। गुड़ी पड़वा के पावन पर्व में प्लेटिनम के गहने एक खास पसंद बनकर उभरे हैं। गुड़ी पड़वा के पावन पर्व को लेकर प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल-इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर वैशाली बैनर्जी ने कहा, हिंदु नव वर्ष का पर्व गुड़ी पड़वा इस समय महाराष्ट्र और करीबी राज्यों में एक नया जोश लेकर आया है और सब लोग इसके स्वागत में जुटे हैं। समृद्धि और अच्छे समय की उम्मीद वाले इस पर्व को मनाने के लिए, लोग कीमती गहने खरीद रहे हैं। इन गहनों में सबसे महत्वपूर्ण प्लेटिनम है जो अपनी शुद्धता, मजबूती के लिए मशहूर है, जिसे उपभोक्ता खूब पसंद कर रहे हैं और समय के साथ-साथ प्लेटिनम एक ऐसे धातु के रूप में उभरा है जिसका उपयोग लोग पावन पर्व पर कर रहे हैं। हम गुड़ी पड़वा के अवसर गुड़ी पड़वा मनाने वाले सभी लोगों को बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे रिटेल पार्टनरों के लिए यह त्योहार सकारात्मक साबित होगा।

मुझे पेड़ दो सेवा समिति एवं सामाजिक संस्था पर्यावरण संरक्षण द्वारा वृक्षारोपण का कार्य जारी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुझे पेड़ दो सेवा समिति एवं सामाजिक संस्था पर्यावरण संरक्षण के तत्वावधान में अनवरत वृक्षारोपण कार्य जारी है आज मुहिम के अंतर्गत 5वृक्ष रोपे गए इस दौरान संस्था के संस्थापक श्री गणेश दुबे ने बताया कि पेड़ हमारे जीवन में बहुत ही आवश्यक है इस समय पेड़ लगाएं कम जा रहें बल्कि कांटे अधिक जा रहें वृक्षारोपण बहुत आवश्यक है क्योंकि पेड़ पर्यावरण को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वायु की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं यदि अधिक पेड़ लगाए जाएं तो दुनिया का पर्यावरण रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान बन जाएगा। वृक्षारोपण से प्रदूषण भी कम होता है जिससे आने वाली पीढ़ियों का जीवन सुरक्षित हो जाता है इसलिए हम सभी को पौधारोपण अवश्य करना चाहिए हम अपने टीम के सहयोग से 1जनवरी 2024से अब तक 219पेड़ लगा चुके हैं हमारा काम केवल पेड़ लगाना ही नहीं है बल्कि पेड़ लगाकर उन्हें बचाना बड़ी बात है हमारे टीम के संयोजक श्री विकास जी लगें हुए सभी वृक्षों पर निगरानी रखते हैं अभी तक 187वृक्ष सुरक्षित है आज कार्यक्रम में मुख्य रूप से टीम के जब्बाज सिपाही रिषभ गौतम, शुटर भाई,अल्बर्ट, वरूण आदि मौजूद रहें।

पैगाम (फुले आंबेडकरी गौरवशाली और आदर्शवादी मुहिम) सामाजिक परिवर्तन सम्मेलन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पैगाम संगठन स्थापना किया गया भारत के पंजाब राज्य से जो आज पैगाम (फुले आंबेडकरी गौरवशाली और आदर्शवादी मुहिम) सामाजिक संगठन हर जगह पर अपना प्रचार कर रहे हैं और सामाजिक संस्था को निरंतर सक्रीय और सशक्त बनाए रखना क्यू जरूरी है पैगाम का हर घर एक ही संदेश है इंसानियत रखो, भाई चारा रखो, सबको एक समान समजे, नफरत, लडाई ना करे इन पर ही पैगाम संगठन ने परिवर्तन सम्मेलन रखा गया 31 मार्च 2024 रविवार को गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर दरबार हॉल, राओहली कैंप, जी.टी.बी नगर, सायन-कोलीवाडा, मुंबई 37 में रखा गया मौजुद रहे स्वर्णजीत सिंह मेहता (सामाजिक चिंतक), मनजीत कौर, स्वरूप सिंह, हरमीत सिंह, एड. स्वपनालीलिंदाईत, बी.एन. वाघ (राष्ट्रीय निमत्रक एव भूतपूर्व न्यायाधिश), प्रशांत पाटिल (आईटीएस), सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) कुर्ला समाजसेवक, एड. अंजनी येरुकुला, टी.के. बनसोडे, शंकर नितनवरे,चंद्रकांत पगारे, रवींद्र शेजोळे, जितेंद्र जाधव, छाया देहाडे, कविता ठकार, सत्यशिला सातपुते, अब्दुल अलीम, शिवाजी सुळे, विनोद तांबे, विजय इंगळे, राजू कांबळे, पृथवीराज गायकवाड, सुजाता सावळे, संदेश पाडव, रमेश काकेकर,माधुरी आहेर, आबासाहेब चासकर, एड. अनिल वाघ, प्रो.आनंद दांडगे, डॉ.मीना दांडगे,भूषण झेडे,सुरेखा धेडे,रमेश वाकेकर, एड. मंदा सोनवणे, योगेंद्र सिंह,अमीर अली, देवेंद्र सिंह, दत्ता मिस्किन, सुहास भगत, सुनील भूतेकर, शिव शंकर सिंह, संबलकर, हरदयाल सिंह और बहुत से कार्यकर्ता मौजुद रहे और सभी के लिए भोजन का भी बंदोबस्त किया गया और सभी ने एक होकर भोजन किया और कार्यक्रम को समर्पण किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में अमेरिकी राजदूत के बयान पर जयशंकर का पलटवार

कुछ होगा तो हम भी बताकर खुश होंगे, इससे देश सुरक्षा के हित जुड़े

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। अभी इस संबंध में और कुछ कहने के लिए कुछ भी नहीं है।

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में किसी सरकारी अधिकारी की संलिप्तता होने की जांच चल रही है क्योंकि इससे देश की सुरक्षा के हित भी जुड़े हैं। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी के एक बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने यह बयान दिया। एरिक गार्सेटी ने कहा था कि किसी दूसरे देश के नागरिक की हत्या के प्रयास में एक सरकारी अधिकारी की संलिप्तता अस्वीकार्य है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी राजदूत अपनी सरकार की सोच या स्थिति के अनुसार जो सही होगा, वही कहेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि मेरी सरकार की स्थिति यह है कि खासतौर से इस मामले में हमें कुछ सूचना मुहैया कराई गई है जिसकी हम जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें भारत के खुद के सुरक्षा हित भी जुड़े हुए हैं।

1 भारत अमेरिका मिलकर कर रहे जांच

दोनों देश एक दूसरे को कर रहे सहयोग

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को कथित तौर पर मारे जाने की साजिश के मामले की जांच भारत और अमेरिका मिलकर कर रहे हैं। यह बात भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कही। गार्सेटी ने कहा- मैं बहुत खुश हूं कि भारत हमारे साथ इस मामले की जांच कर रहा है। अब तक हमने भारत से जो भी सहयोग मांगा, वो हमें मिला है। और यही हमने भी किया है। दोनों देश एक दूसरे को सहयोग दे रहे हैं।

2 भारत ने अमेरिका को दिया सहयोग

यूएई में भारत के प्रति धारणा बदल गई

जयशंकर ने कहा मैं विदेश में सबका साथ सबका विकास की बात करता हूं। आज दुनिया की सोच भारत के लिए बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में यूएई में भारत के बारे में धारणा बदल गई है। उन्होंने हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और आज यूएई के साथ व्यापार लगभग 80 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है और हमारे भारत के लोग जो वहां बसे हैं, वहां रोजगार कर रहे हैं।

रूस में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाएंगे

भारतीयों को नौकरी दिलाने का वादा कर रूस ले जाने के बाद उनके यूक्रेन संघर्ष में फंसने के बारे में पूछे गए एक सवाल पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत ने रूस सरकार के समक्ष बहुत मजबूती से इस मामले को उठाया है। उन्होंने कहा कि 'हम इन सभी लोगों को सुरक्षित भारत वापस लाने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले महीने, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि रूसी सेना के साथ काम करने के लिए कई भारतीय नागरिकों के साथ धोखाधड़ी किए जाने के मामले को भारत ने रूस के समक्ष मजबूती से उठाया है ताकि उन लोगों की शीघ्र रिहाई हो सके। उन्होंने भारतीय नागरिकों से अपील की थी कि वे रूसी सेना में सहायक नौकरियों के लिए एजेंट की ओर से दिए गए प्रस्तावों के बहकावे में न आएं।

भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम में कहा कि आज भारत दुनिया के शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से विकास कर रही है इससे साफतौर पर लगता है कि बहुत जल्द हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। उन्होंने कहा कि यह होना पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी है। हमें पूरा विश्वास है कि अगले 25 वर्षों में हम भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देंगे।

पन्नू के बारे में जांच चल रही

पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में विदेश मंत्री ने कहा कि जब भी हमें जांच के बारे में कुछ कहना होगा तो हमें इसके बारे में बात करके काफी खुशी होगी। अभी यह कहने के अलावा कुछ भी नहीं है कि इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इसमें भारत के खुद के सुरक्षा हित भी जुड़े हुए हैं।

प्रयास से सोच बदलती है

जयशंकर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी 2016 में यूएई गए थे। इससे पहले पीएम इंदिरा गांधी थीं जो यूएई गई थीं और उनके बाद 2016 तक कोई पीएम वहां नहीं गया। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर हमारी तरफ से प्रयास हुआ है तो उनकी सोच हमारे बारे में बदल जाती है।

मतांतरण मामले में गहराई से छानबीन में जुटी कानपुर पुलिस, वजह लालच और गरीबी

कानपुर। यहां मतांतरण के लिए उन्नाव जाते समय दो क्रिश्चियन लोगों के साथ पकड़े गए 110 लोगों से पुलिस गहन पूछताछ लगातार कर रही है। इस पूछताछ से अब तक जो नतीजा निकला है, उसके मुताबिक जो लोग मतांतरण के लिए उन्नाव जा रहे थे, उसके पीछे उनकी मजबूरी लालच और गरीबी से जुड़ी हुई थी। अवगत कराते चलने की बीते शनिवार की रात को यहां की नवाबगंज पुलिस ने एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो क्रिश्चियन को गिरफ्तार किया है जो 110 लोगों को अपने साथ उन्नाव ले जाकर मतांतरण करवाना चाहते थे। इन सभी 110 लोगों को दो वर्षों में भरकर ले जाया जा रहा था तभी इसकी भनक नवाबगंज पुलिस को लग गई और उसने बसों को रास्ते में ही रोक लिया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए दोनों क्रिश्चियन लोगों से भी लगातार पूछताछ की जा रही है .जिससे मतांतरण रैकेट में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी पता चल सके। पुलिस ने बताया कि अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह गैंग गरीब और दलित बस्तियों के लोगों को रुपए,नौकरी और शादी का लालच देकर मतांतरण करवा रहे थे। इस मामले में इसाई समाज के कल्याणपुर आवास विकास निवासी नोयल विलियम्स और विष्णुपुरी के दीपक के खिलाफ अरमापुर इस्टेट सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाले संजय बाल्मीकि की तहरीर पर दोनों के खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम-2021 की धारा-3 और धारा-5 (1) के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि गहन जांच के नतीजे के आधार पर ही अगली कार्रवाई की जायेगी। फिलहाल प्रकरण चर्चा का विषय बना हुआ है।

उत्तराखंड में कांग्रेस की अग्निपरीक्षा, सामने हैं ये चुनौतियां, कैसे इनसे निपटेगी पार्टी?

देहरादून। उत्तराखंड में पिछले दो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत तेजी से गिरा है। हालांकि फिर भी यह 31 प्रतिशत से अधिक रहा है। मत प्राप्ति की दौड़ में लगातार पिछड़ने के बाद भी जनाधार बढ़ाने के लिए कांग्रेस के प्रदेश से लेकर केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर न सतर्कता दिखाई पड़ रही और न ही इच्छाशक्ति। नामांकन वापसी के बाद प्रदेश की पांचों लोकसभा सीट पर चुनावी रण उफान ले रहा है, लेकिन पार्टी क्षत्रप एकजुटता प्रदर्शित नहीं कर पा रहे हैं। हाईकमान भी अब तक उत्तराखंड के लिए चुनाव अभियान और समन्वय समेत कई महत्वपूर्ण समितियों का गठन नहीं कर सका है। स्टार प्रचारकों की स्थिति भी साफ नहीं है। प्रचार युद्ध प्रत्याशियों के भरोसे सिमटा हुआ है। ऐसे में जनाधार के मोर्चे पर यह चुनाव पार्टी के लिए अग्नि परीक्षा साबित हो सकता है।

क्या कांग्रेस छू पाएंगी 2009 का आंकड़ा?

पृथक उत्तराखंड बनने के बाद यह लोकसभा का पांचवां चुनाव है, जिसमें कांग्रेस और भाजपा के बीच मुकाबला है। पिछले दो लोकसभा चुनाव में मत प्रतिशत पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि मतदाताओं में पार्टी का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। यह हाल उस पार्टी का है, जिसने वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी पांच सीट पर जीत का परचम लहराया था। तब पार्टी को 43.13 प्रतिशत मत मिले थे, जो अब तक का सर्वाधिक है। पार्टी इस आंकड़े को दोबारा न तो छू पाई और न ही इसके समीप ही पहुंच सकी।

2014 और 2019 में घटा वोट शेयर

2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 34.40 प्रतिशत मत मिले थे। उसके बाद मुश्किलें बढ़ती गई। 2019 में मत प्रतिशत गिरकर 31.73 प्रतिशत हो गया। इसे रोकने और जीत दर्ज करने की चुनौती और बढ़ चुकी है। इससे निपटने की रणनीति धरातल पर आकार लेती दिखाई नहीं दी है। निर्णय लेने में विलंब और ऊहापोह से उबरने के प्रयास भी मूर्त रूप नहीं ले पाए हैं।

प्रभारी सैलजा अब तक नहीं आईं

चुनाव की घोषणा के बाद से अबतक कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने उत्तराखंड का रुख नहीं किया है। क्षत्रपों के बीच खींचतान रोकने और उन्हें मनाकर मजबूत प्रत्याशी तय करने की पहली मोचार्बंदी पर असमंजस हावी रहने का ही परिणाम रहा कि कद्दावर नेताओं ने प्रत्याशी बनने से ही कन्नी काट ली है। उन्हें मनाने और डैमेज कंट्रोल के प्रयास भी नहीं हुए।

महत्वपूर्ण समितियों की नहीं हुई घोषणा

पहले चरण के मतदान में कम दिन बचे हैं। फिर भी बड़े नेता बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्हें एकजुट कर प्रचार में सहयोग लेने को लेकर अबतक अनिश्चितता है। चुनाव अभियान समिति, चुनाव प्रचार समिति, चुनाव समन्वय समिति जैसी महत्वपूर्ण समितियों की घोषणा के लिए पार्टी हाईकमान पर टकटकी लगी हुई है। इस मामले में भाजपा बढ़त ले चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के चुनाव कार्यक्रम तय हो चुके हैं। कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची तक घोषित नहीं की। राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत पार्टी के बड़े केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रम तय होने की प्रतीक्षा की जा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खाने में टेस्टी ही नहीं, सेहत के लिए भी फायदेमंद है यह सब्जी

कटहल की मसालेदार सब्जी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है। भले ही इसको बानाने में बहुत समय लगता है। मगर जो इसको खाने का मजा आता है वो तो शायद ही कोई बता पता होगा। खाने में टेस्टी यह सब्जी हैल्थ के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें इसमें विटामिन ए, सी, थाइमिन, पोटाशियम, कैलशियम, आयरन, फॉलिक एसिड, मैग्नीशियम जैसे कई तरह के गुण पाए जाते हैं जो कि सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

तो चलिए जानते हैं कटहल खाने से होने वाले फायदों के बारे में।

1. पाचन तंत्र होगा मजबूत

कटहल के बीजों में फाइबर की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इसको खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती हैं उनको हफ्ते में कम से कम 2 बार कटहल की सब्जी जरूर खानी चाहिए।

2. आंखो के लिए फायदेमंद

आंखों की समस्याओं से परेशान हैं तो कटहल बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन ए होता है आंखों की बिमारियां जैसे मोतियाबिंद, रात का अंधापन कम करने में भी मददगार है।

3. एनीमिया से बचाने में

कटहल के बीजों में आयरन की भरपूर मात्रा होती है। इनको खाने से हीमोग्लोबीन का स्तर बढ़ता है। अगर आपके शरीर में खून की कमी है तो कटहल के बीजों को खाना शुरू करें।

4. थायराइड रोगियों के लिए फायदेमंद

जिन लोगों को थायराइड की समस्या हो उनके लिए कटहल किसी औषधी से कम नहीं है। इसमें पाएं जाने वाले पोषक तत्व थायराइड को कंट्रोल करते हैं।

5. कैंसर से बचाव

इसके बीजों में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। इसमें पाए जाने वाले गुण शरीर की कोशिकाओं को टूटने से बचाता है। इसके साथ ही यह कैंसर से भी बचाता है।

माइग्रेन हो या गठिए का दर्द, इन घरेलू तरीकों से करें इलाज!

आए दिन हमें सेहत संबंधी किसी न किसी परेशानी से दो-चार होना ही पड़ता है। कभी पेट में दर्द तो कभी सिर दर्द होना आम बात है। वहीं, कुछ लोग तो अस्थमा, साइनस, गठिया, माइग्रेन आदि जैसी बीमारियों से चिंतित रहते हैं। दवाइयों का सेवन करने पर भी कभी-कभी समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। इससे राहत पाने के लिए दवाइयों के अलावा कुछ छोटे-मोटे घरेलू नुस्खे भी अपनाए जा सकते हैं ताकि धीरे-धीरे इन्हें कंट्रोल किया जा सके।

1. अस्थमा

गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से अस्थमा से राहत मिलती है।

2. साइनस

साइनस होने पर नाक के चारों तरफ जैतून का तेल लगाएं।

3. गठिया

लहसुन के रस में कपूर मिलाकर मालिश करने से फायदा मिलता है।

3. माइग्रेन

सरसों के बीज का पाउडर और पानी मिक्स करके इसका पेस्ट नाक पर लगाएं।

4. कब्ज

सोने से पहले दूध के साथ इसबगोल की भूसी खाएं, इससे कब्ज दूर हो जाती है।

क्या एक्ने वाली स्किन पर अंडा लगाना सही होगा?

आजकल ज्यादातर लड़कियां चेहरे पर एक्ने यानी मुहांसे होने की समस्या से परेशान हैं। वह इनसे राहत तो पाना चाहती हैं। मगर अपने चेहरे पर यह सोचकर कुछ नहीं लगाती कहीं उनके द्वारा लगाएं जाने वाले ब्यूटी प्रॉडक्ट्स से और मुहांसे ना निकल आएं। यही कारण है कि वह अपने चेहरे पर कुछ भी लगाने से डरती हैं। अगर कोई उनको कहे कि अंडा लगाने से मुहांसे दूर हो जाएंगे तो उनका जवाब होगा पागल है क्या? ये तो मेरा चेहरा और खराब कर देगा। मगर ऐसा नहीं है। मुहांसों से राहत पाने के लिए अंडा बहुत ही फायदेमंद है।

एग व्हाइट हैं मुहांसों का काल

आपको जानकर हैरानी होगी कि अंडा लगाने से मुहांसे दूर होते हैं। पिंपल दूर के लिए एग व्हाइट का इस्तेमाल करें। इसमें अमीनो एसिड होता है जो पिंपल हटाने और त्वचा को बेदाग बनाने में मदद करता है। दिन में 3 से 4 बार पिंपल्स पर एग व्हाइट लगाएं। आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

फेशियल करवाने के बाद भूलकर भी ना करें ये 5 गलतियां वरना...

बेदाग और ग्लोइंग चेहरा पाने के लिए लड़कियां पार्लर जाकर फेशियल करवाती हैं। अगर शादी, पार्टी या किसी खास मौके पर जाना हो तो फेशियल करवाना तो बनता है। कुछ महिलाएं तो 30 की उम्र के बाद महीने में एक बार फेशियल जरूर करवाती हैं। लेकिन कुछ महिलाओं को यह नहीं पता होता कि फेशियल करवाने के बाद क्या नहीं करना चाहिए। उनके द्वारा बरती गई थोड़ी सी भी असावधानी के कारण चेहरे की त्वचा पर रिएक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आपको भी फेशियल करवाने के बाद इन कामों से बचना चाहिए।

1. 4 घंटे तक साबुन या फेसवॉश न लगाएं

जब भी आप फेशियल करवाएं तो इस बात का ध्यान रखें की तकरीबन 4 घंटे तक आप चेहरे को साबुन या फेसवॉश से ना धोएं। क्योंकि इनका इस्तेमाल करने से त्वचा में रिएक्शन हो सकता है। इसके साथ जब भी मुंह धोएं तो हल्के-हल्के छींटे मारें। टॉवल से चेहरा ना रगड़ें।

2. धूप में न निकलें

फेशियल करवाने के बाद चेहरे के सभी रोम छिद्र खुल जाते है और पोर्स बड़े हो जाते हैं। ऐसे में फेशियल करवाने के तुरंत बाद आप तेज धूप में जाते हैं तो त्वचा पर रिएक्शन होगा और दाने भी निकल सकते हैं।

3. तीन से 4 दिनों तक ना करें स्क्रब

तीन से 4 दिनों तक स्क्रब ना करें। दरअसल फेशियल करवाने से गंदी स्किन निकल जाती है और नए टिशूज बनने में कम से कम 2 दिन लगते हैं। ऐसे में अगर आप चेहरे पर स्क्रब करते हैं तो वह बुरी तरह से छिल भी सकता है। वैसे भी फेशियल करवाने के बाद कई दिनों तक आपको स्क्रबिंग की जरूरत नहीं पड़ती।

4. फेसमास्क न लगाएं

फेशियल करवाने के बाद कम से कम एक हफ्ते तक चेहरे पर किसी भी तरह का कोई फेस मास्क ना लगाएं। क्योंकि मास्क लगाने से फेशियल से आई सारी ग्लो खत्म हो जाती है।

5. थ्रेडिंग न करवाएं

फेशियल करवाने के बाद थ्रेडिंग करवाने की भूल ना करें। क्योंकि फेशियल से स्किन बहुत ज्यादा मुलायम हो जाती है। ऐसे में अगर आप थ्रेडिंग करवाते हैं तो त्वचा के कटने और छीलने का डर बना रहता है। अगर आपने थ्रेडिंग करवानी ही है तो फिशयल से पहले करवाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हैंडसम हंक को डेट कर रही हैं पूजा हेगड़े?

पूजा हेगड़े साउथ से लेकर बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं. पूजा ने साल 2014 में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म मोहनजोदारो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. एक्ट्रेस को आखिरी बार सलमान खान के साथ फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में देखा गया था. फिलहाल एक्ट्रेस 'देवा' में शाहिद कपूर के साथ काम कर रही हैं. हालांकि इन दिनों एक्ट्रेस अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में चल रही हैं. हाल ही में पूजा को दिवंगत अभिनेता विनोद मेहरा के बेटे रोहन मेहरा के साथ कार में जाते हुए देखा गया. कपल को बांद्रा में स्पॉट किया गया, जहां एक्ट्रेस वाइट टॉप के साथ ग्रे पैंट और ब्लैक कलर के शूज पहने नजर आईं. पूजा हेगड़े हमेशा अपनी डेटिंग लाइफ को पर्सनल रखना पसंद करती हैं. लेकिन अब, ऐसा लगता है कि पैपराजी को आखिरकार उनकी लव लाइफ की झलक मिल गई है. बता दें कि किसी का भाई किसी की जान फिल्म की रिलीज के दौरान सलमान खान और पूजा हेगड़े की डेटिंग की अफवाहें भी सुर्खियों में आने लगीं थीं. हालांकि ये महज एक अफवाह ही थी.

...बारटेंडर बने सलमान

कपिल शर्मा का ह्यद ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शोह्न नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। शो में सात साल बाद सुनील ग्रोवर की वापसी हुई है। इसका पहला एपिसोड भी आ चुका है। कपिल शर्मा के शो के पहले एपिसोड में रणबीर कपूर, नीतू कपूर और उनकी बहन रिद्धिमा कपूर नजर आए। तीनों को शो में खूब मस्ती करते देखा गया। कपिल के शो पर तीनों ने कई किस्से सुनाए। इसी दौरान रणबीर ने अपने पिता ऋषि कपूर को भी याद किया। एक्टर ने बताया कि कैसे ऋषि कपूर ने एक बार उनकी पिटाई लगा दी थी। वहीं, नीतू ने खुलासा किया कि रणबीर के पेट में कोई बात पचती नहीं है। रिद्धिमा ने बताया कि वह सलमान खान की फैन थीं। रणबीर ने बताया कि वह अपने कमरे में संजय दत्त का पोस्ट लगाते थे। वहीं अब शो का बिहाइंड द सीन वीडियो रिलीज किया गया है जिसमें रिद्धिमा ने एक मजेदार किस्सा बताया है कि उनकी शादी में सलमान खान बार टेंडर बने थे। और उनकी वजह से शराब जल्दी खत्म हो गई थी। दरअसल कपिल शर्मा ने रिद्धिमा से एक सवाल किया कि क्या सलमान खान उनके पति भरत साहनी के साथ उनकी शादी में बारटेंडर बने थे? इसका जवाब देते हुए रिद्धिमा ने कहा कि ह्यहांह्न। इसके बाद नीतू कपूर ने बताया कि ह्नसलमान ने कहा था कि मैं बारटेंडर बनूंगा। इस पर ऋषि जी ने हां हा तू कर ले। सलमान बार टेंडर बन गए और सलमान खान सबको शराब सर्व कर रहे लगे। धीरे धीरे पता चला कि शराब खत्म हो रही है।

दुखी हुए अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स के बहुत दिवाने हैं. खासतौर पर क्रिकेट से उनका गहरा लगाव है. बीती शाम हुए मुंबई इंडियंस (एमआई) वर्सेज राजस्थान रॉयल्स (आरआर) मैच के बाद मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम से बाहर निकलते समय अमिताभ बच्चन निराश दिखे. सोमवार को, मुंबई इंडियन्स अपने घरेलू मैदान पर आरआर के बीच मुकाबला हो रहा था. इस मैच में एमआई ने पहले बल्लेबाजी की और 126 रनों का कमजोर लक्ष्य रखा. राजस्थान रॉयल्स ने 5 ओवर शेष रहते ही मैच जीत लिया. पैपराजी विरल भयानी ने एक वीडियो शेयर किया. इस वीडियो में अमिताभ बच्चन को स्टेडियम से बाहर निकलते हुए देखा जा सकता है. वह काफी उदास लग रहे हैं और सिर झुकाए अपनी गाड़ी को ओर जा रहे हैं. इस वीडियो से ही पता चला कि बिग बी मैच देखने पहुंचे. वीडियो में देखा जा सकता है कि उन्होंने मुंबई इंडियंस के लोगो वाली हुडी पहने हुए देखा गया. अमिताभ बच्चन मुंबई इंडियन की हुडी पहने अपनी फेवरिट टीम को अपना सपोर्ट करने पहुंचे थे. लेकिन टीम हार गई. हालांकि, टीम हार गई.